



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரதத் ராஷ்ட்ரமத் | தினமணி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 प्रधानमंत्री का वक्तव्य क्रम पैदा करने की कवायद थी : खरगे

6 असम में जेएमएम ने कांग्रेस के लिए बंद किए दरवाजे

7 शिल्पा शेटी ने बताया रिवर्स हाइपर एसरसाइज का सही तरीका

फ़र्स्ट टेक

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी कमल हासन की पार्टी एमएनएम चेन्नई/भाषा। अभिनेता एवं नेता कमल हासन की पार्टी मकल नीथि मय्यम (एमएनएम) ने तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। एमएनएम प्रविड़ मुनेत्र कथम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का एक घटक दल है। एमएनएम ने कहा कि द्रमुक द्वारा प्रस्तावित सीटों की संख्या और यह सुझाव कि एमएनएम उम्मीदवार 'उगले हुए सूर्य' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े, र्वीकार्य नहीं है। एमएनएम के संस्थापक कमल हासन ने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी, लेकिन द्रमुक नीत गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को बिना शर्त अपना समर्थन देगी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एमएनएम के इस कदम की सराहना करते हुए इसे 'स्वायं को दरकिनार करते हुए तमिलनाडु के कल्याण को प्राथमिकता देने का उदार निर्णय' करार दिया।

दक्षिण प्रशांत सागर में टोंगा के निकट 7.6 तीव्रता का भूकंप नेयाफू (टोंगा)/एपी। दक्षिण प्रशांत सागर में टोंगा के निकट मंगलवार को 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने कहा कि भूकंप स्थानीय समयानुसार मंगलवार तड़के 23:7 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप का केंद्र नेयाफू से 153 किलोमीटर दूर समुद्र में था। नेयाफू द्वीपीय देश टोंगा का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। भूकंप से तत्काल किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

रुपया 35 पैसे टूटकर 93.88 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर मुंबई/भाषा। रुपया मंगलवार को 35 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 93.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों में घिंता का माहौल रहने से घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की निकासी ने भी रुपए पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.66 पर खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। अंत में यह 93.88 (अस्थायी) पर रहा, जो पिछले बंद स्तर से 35 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया पहली बार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर को पार कर गया था, हालांकि बाद में यह 93.53 पर स्थिर बंद हुआ।

खाड़ी क्षेत्र में संवाद एवं कूटनीति से शांति बहाली चाहता है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर राज्यसभा में अपनी ओर से वक्तव्य देते हुए कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। 'इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे



हमारी अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ मजबूत हैं तथा सरकार पल पल बदलते हालात पर नजर रखे हुए है।

हम खाड़ी के सभी देशों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हम ईरान, इजराइल और अमेरिका के साथ भी संपर्क में हैं।

पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की निर्यात आपूर्ति प्रभावित हो रही है।' उन्होंने कहा, 'हमारी अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ मजबूत हैं तथा सरकार पल पल बदलते हालात पर नजर रखे हुए है। सरकार इसके अल्पकालिक, मध्य कालिक एवं दीर्घकालिक प्रभावों पर नजर रखने के लिए एक रणनीति के तहत काम कर रही है।' मोदी ने कहा कि सरकार ने एक अंतर मंत्रालयी समूह बनाया है जो नियमित बैठक कर आयात-निर्यात में आने वाली

बाधाओं का आकलन करता है। उन्होंने कहा कि जैसे कोरोना महामारी के दौरान अलग अलग क्षेत्रों की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के विभिन्न अधिकार संपन्न समूह बने थे, वैसे ही कल सात नए अधिकार संपन्न समूहों का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समूह गैस, महंगाई आदि विषयों पर विचार कर समाधान के लिए काम करेंगे।

मोदी ने कहा कि उन्होंने युद्ध की शुरुआत के बाद से पश्चिम एशिया के ज्यादातर देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो दौर में फोन पर बात की है। 'हम खाड़ी के सभी देशों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हम ईरान, इजराइल और अमेरिका के साथ भी संपर्क में हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य संवाद और कूटनीति के माध्यम से क्षेत्र में शांति बहाली का है। हमने संघर्ष को कम करने और होर्मुज मार्ग को खोलने के बारे में भी बातचीत की है।'

चेती छठ



मंगलवार को पटना में 'चेती छठ' पर्व के दौरान महिलाएं गंगा नदी में धार्मिक अनुष्ठान करती हुईं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया मोदी सरकार में विदेश नीति 'जगहंसाई' का विषय बनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की विदेश नीति को अपनी 'निजी विदेश नीति' बना लिया है तथा यह 'जगहंसाई' का विषय बन गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर 'कमजोर' होने का आरोप भी लगाया और कहा कि वह वही करेंगे जो अमेरिका और इजराइल करेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री की निजी विदेश नीति है। आप इसका

नतीजा देख सकते हैं। 'जगहंसाई' हो रही है। हर कोई इसे 'जगहंसाई' मानता है।' उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जानते हैं कि मोदी क्या कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते हैं। राहुल गांधी का कहना था, 'अगर प्रधानमंत्री कमजोर हैं तो विदेश नीति कमजोर है।' उन्होंने दावा किया, 'प्रधानमंत्री ने गैरपारंपरिक भाषण दिया। वह भारत के प्रधानमंत्री हैं, यह दिखना चाहिए।' कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री को विदेश नीति को लेकर समझ नहीं है। उन्होंने यह दावा भी किया कि आने वाले समय में एलपीजी, पेट्रोल को लेकर समस्या आएगी।

अजित पवार की मृत्यु: बंगलूर में 'जीरो एफआईआर दर्ज'

बंगलूर/भाषा। बंगलूर पुलिस ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती में विमान दुर्घटना में हुई मौत के संबंध में उनके भतीजे रोहित पवार की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया है। रोहित पवार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि यह हादसा उनके चाचा को खत्म करने की एक बड़ी आपराधिक साजिश का परिणाम थी। महाराष्ट्र के पुणे स्थित बारामती बवाई अड्डे के पास 28 जनवरी को वीएसआर वेवर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित बॉम्बार्डियर लेयरजेट 45 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें पवार की मृत्यु हो गई। विमान मुंबई से बारामती जा रहा था और उसमें अजित पवार और चार अन्य लोग सवार थे, जिनकी इस दुर्घटना में मृत्यु हो गई। शिकायत के आधार पर, हाई ग्राउंडर पुलिस ने 'जीरो एफआईआर' दर्ज की, जिसे किसी भी पुलिस थाने में दर्ज किया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो।

किसानों की आय दोगुनी ही नहीं, आठ गुनी तक बढ़ी है : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि केंद्र सरकार के अनेक उपायों के कारण देश में किसानों की आय केवल दोगुनी ही नहीं, बल्कि तीन गुनी भी हुई है और कई कृषकों की आमदनी तो आठ गुनी तक बढ़ी है। चौहान ने तुलनात्मक रूप से सांसद सौगत राय के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

राय ने पूछा था कि सरकार बताए कि 'किसानों की आय वास्तव में कब दोगुनी होगी और उनके खुदकृषि के मामले कब शून्य पर आएंगे?' चौहान ने कहा, 'देश में कई किसानों की आय दोगुनी हुई है। मैं जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूँ कि केवल दोगुनी नहीं, बल्कि कई किसानों की आमदनी तिगुनी और चौगुनी भी हुई है। और कई की तो आठ गुनी भी हुई है।' उन्होंने कहा कि यह

यह गलत धारणा बनाई जा रही है कि किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी सरकार का वादा पूरा नहीं हुआ।



गलत धारणा बनाई जा रही है कि किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी सरकार का वादा पूरा नहीं हुआ। कृषि मंत्री ने हरियाणा के रेवाड़ी के एक किसान का नाम लेते हुए कहा कि वह ऐसे कई किसानों के नाम गिना सकते हैं जिनकी आमदनी दोगुनी से अधिक हुई है। चौहान ने कहा, 'इसके लिए हमने गंभीरता से उपाय किए हैं। हमने कृषि बजट बढ़ाकर 1,30,000 करोड़ रुपए से ज्यादा किया। हमने उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाई

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति के लिए भारत की भूमिका 'अपरिहार्य': ट्रंप प्रशासन

नई दिल्ली/भाषा। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के साथ-साथ एशिया में अनुकूल शक्ति संतुलन सुनिश्चित करने के लिए भारत की भूमिका अपरिहार्य है। उन्होंने भू-राजनीति में हो रहे व्यापक बदलाव के मद्देनजर दोनों पक्षों के बीच गहरे रक्षा संबंधों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। अमेरिकी युद्ध नीति के उप सचिव एलब्रिज कोल्बी ने अनंत केंद्र में अपने संबोधन में भारत-अमेरिका रणनीतिक जुड़ाव के महत्व को रेखांकित करते हुए चार प्रमुख बिंदुओं को सूचीबद्ध किया और इस बात पर जोर दिया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी एक शक्ति का प्रभुत्व नहीं होना चाहिए। उनके इस बयान को परोक्ष रूप से चीन की तरफ संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अमेरिका का मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अनुकूल शक्ति संतुलन सुनिश्चित करने में भारत केंद्रीय भूमिका निभाएगा। इस संदर्भ में, एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत न केवल भारतीय जनता के लिए अच्छा है,

एलपीजी संकट



मंगलवार को चिक्कमालुरु में एलपीजी सिलेंडर की कमी के चलते लोग गैस सिलेंडर के लिए इंतजार करते हुए दिखाई दिए। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े वैश्विक सप्लाई चेन व्यवधान के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ है।

ईरान पर हवाई हमलों ने मचाई भारी तबाही

तेहरान ने इजराइल और खाड़ी देशों को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान पर मंगलवार को किए गए हवाई हमलों ने राजधानी तेहरान में भारी तबाही मचाई, लेकिन ईरानी मिसाइलों और ड्रोन ने भी इजराइल के तेल अवीव और पश्चिम एशिया के कई ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए इस्लामिक गणराज्य के साथ बातचीत कर रहा है। हजारों और अमेरिकी मरीन सैनिकों के खाड़ी क्षेत्र की ओर रवाना होने, दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर तीव्र हमला जारी रहने और ईरान द्वारा किसी भी प्रकार की बातचीत से इनकार करने के बीच युद्ध तेज होता दिखा। हालांकि, इसके एक दिन पहले ट्रंप ने ईरान को दी गई यह समय सीमा भी आगे बढ़ा दी, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को जहाजों के लिए नहीं खोलने पर ईरान के ऊर्जा संबंधों को हवाई



ईरानी सशस्त्र बल 'पूर्ण विजय प्राप्त होने तक' लड़ते रहेंगे : शीर्ष सैन्य कमान के प्रवक्ता

दुबई/एपी। ईरान के शीर्ष सैन्य कमान के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि उनके देश की सेनाएं 'पूर्ण विजय प्राप्त होने तक' लड़ेंगी। खातम-अल अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही अलीबादी की ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा से संबंधित प्रतीत होती हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत जारी है। ईरान ने किसी भी प्रकार की बातचीत से इनकार किया है, हालांकि उसके विदेश मंत्री क्षेत्र के अपने समकक्षों से बात कर रहे हैं।

हमलों में निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी। इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर तेहरान के नियंत्रण में वैश्विक स्तर पर माल के परिवहन को बाधित कर दिया है, ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी वार्ता (जिसका मंगलवार

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने परिचम एशिया संकट पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप से पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की। यह जानकारी भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी। गोर ने सांशल मीडिया पर कहा, 'राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की अभी बातचीत हुई। उन्होंने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का महत्व भी शामिल है।'

को होना बेहद अनिश्चित दिखा) को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वाशिंगटन के बदलते उद्देश्यों को अब भी हासिल करना मुश्किल है। खासकर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम के संदर्भ में।

ईरान युद्ध की समाप्ति के लिए वार्ता की मेजबानी को तैयार है पाकिस्तान : शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद/एपी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि उनका देश ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए 'सार्थक और निर्णायक वार्ता को सुगम बनाने' के लिए तैयार है। शरीफ ने यह टिप्पणी 'एक्स' पर एक पोस्ट में की।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है। पाकिस्तान उन देशों में से एक है जो ईरान और अमेरिका के बीच राजनयिक वार्ता के लिए पैरवी कर रहे हैं।

शरीफ ने ईरान में कहा, 'अमेरिका और ईरान की सहमति होने पर पाकिस्तान संघर्ष के व्यापक समाधान के लिए सार्थक और निर्णायक वार्ता की मेजबानी करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए तैयार है तथा इसे अपने लिए सम्मान की बात मानता है।'

25-03-2026 26-03-2026
सूर्योदय 6:20 बजे सूर्यास्त 6:09 बजे

BSE 74,068.45 (+1,372.06)
NSE 22,912.40 (+399.75)

सोना 14,715 रु. (24 केटर) प्रति ग्राम
चांदी 226,000 रु. प्रति किलो

मिशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com



केलाशा मण्डेला, मो. 9828233434

दूध के जले

मिल रहा कौन किससे क्यौंकर, मिडिया में जारी है कयास। पड़ सुन कर उकताई जनता, दल कात रहे काता कपास। सत्ता की चाहत में आए, दुश्मन भी अब तो पास-पास। पी रहे छाछ भी फूंक-फूंक, यूजीसी में कर-कर तपास।।

रूस ने यूक्रेन पर करीब 400 ड्रोन दागे, कई घायल

कीव/एपी। रूस की ओर से यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 27 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मॉस्को की सेना ने यूक्रेनी अधिभू पंक्ति की रक्षा पंक्ति को भेदने के प्रयासों को तेज कर दिया है, जो वसंत ऋतु में होने वाले संभावित जमीनी आक्रमण की शुरुआत हो सकती है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने रात भर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों में सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार सुबह तक जारी रहा, जब दिन के उजाले में भी कई ड्रोन ने राजधानी कीव को निशाना बनाया। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि इसके अलावा, रूस ने रात में 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं, जिनसे देशभर में कम से कम 10 स्थान प्रभावित हुए। चार साल से भी अधिक समय पहले रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश पर पूर्ण घेरावे पर आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेनी नागरिक लगातार बमबारी का सामना कर रहे हैं। पिछले एक साल में अमेरिका की मध्यस्थता में मॉस्को और कीव के बीच हुई वार्ताओं से कोई राहत नहीं मिली है।

अन्नाद्रमुक ने सत्ता में आने पर चावल राशन कार्डधारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर देने का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडवाइड के पलानीस्वामी ने मंगलवार को घोषणा की कि यदि उनकी पार्टी 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर सत्ता में आती है, तो सभी चावल राशन कार्डधारकों को मुफ्त में रेफ्रिजरेटर दिए जाएंगे।

उन्होंने साथ ही तमिलनाडु में चावल श्रेणी के राशन कार्ड धारकों को हर महीने एक किलोग्राम दाल और एक लीटर खाना पकाने का तेल मुफ्त में उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पलानीस्वामी की घोषणाएं पार्टी की दिवंगत नेता जे जयललिता की नीति के अनुरूप हैं, जिन्होंने 2011 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले अन्नाद्रमुक के चुनावी घोषणापत्र में मुफ्त पंखे, मिक्सर-ग्राइंडर देने की लोकप्रिय योजना की घोषणा की थी। जयललिता ने 2011 में सत्ता में आने पर पूर्व मुख्यमंत्री एन अन्नादुरई की जयंती 15 सितंबर पर इन मुफ्त के उपहारों का वितरण शुरू किया था। अन्नाद्रमुक के यहां स्थित राज्य मुख्यालय में 23

अन्नाद्रमुक ने जारी किया अपना घोषणापत्र



अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए पलानीस्वामी ने कहा, मुफ्त फ्रिज का उद्देश्य गृहिणियों के घरेलू काम का भार कम करना है। निवर्तमान विधानसभा की मुख्य विपक्षी पार्टी पहले ही पात्र परिवारों को प्रति वर्ष तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने और जलीकट्ट के दौरान बैल को काबू करने वालों की मृत्यु होने की स्थिति में परिवारों को 10 लाख रुपये का अनुग्रह राशि देने का वादा कर चुकी है। अन्नाद्रमुक ने इसी के साथ कई और चुनावी वादे किये हैं। पलानीस्वामी ने महिलाओं के लिए पहले ही कई कल्याणकारी उपायों की घोषणा कर दी थी, जैसे कि 2,000 रुपये

की मासिक सहायता, पांच लाख कामकाजी महिलाओं को 25,000 रुपये की सब्सिडी के साथ अम्मा दो पहिया वाहन देने, बैंकों से लिए गए शिक्षा ऋण की माफी, बुजुर्गों और अन्य लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 2,000 रुपये करना, पुरुषों के लिए महिलाओं के समान मुफ्त बस यात्रा योजना, ग्रामीण रोजगार योजना को 150 दिनों तक बढ़ाना, और करों के बोझ और मूल्य वृद्धि से निपटने के लिए प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये का एफएमएच अनुदान का वादा शामिल है। पलानीस्वामी ने पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए मौजूदा द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (द्रमुक) सरकार पर

कमीशन, रंगदारी और भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का आरोप लगाया। पलानीस्वामी की घोषणा 2006 में तत्कालीन द्रमुक अध्यक्ष एम. करुणानिधि द्वारा पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र की याद दिलाती है जिसमें उन्होंने गरीब परिवारों को मुफ्त रीनल टेलीविजन सेट देने की घोषणा की थी। सत्ता में आने के बाद उन्होंने अन्नादुरई की जयंती पर इस योजना की शुरुआत की थी। अन्नाद्रमुक ने अपने घोषणापत्र में लगभग 297 घोषणाएं की हैं और आखिरी घोषणा सेना में शहीद और स्थायी रूप से अशक्त हुए सैनिकों के परिवार के सदस्यों के लिए 'अनुकंपा नियुक्तियां' से संबंधित है।

चेन्नई में राजग के लिए वोट मांगेंगे पलानीस्वामी

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी 25 मार्च से तीन दिनों तक चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अन्नाद्रमुक ने बताया कि पलानीस्वामी बुधवार को चेन्नई के मायलापुर में भी चुनाव प्रचार करेंगे। अन्नाद्रमुक ने बताया कि पलानीस्वामी 27 मार्च को अलदूर और उपनगरीय तांबरम में क्रमशः अन्नाद्रमुक और उसके सहयोगियों के लिए वोट मांगेंगे। वह 28 मार्च को उत्तर चेन्नई के आरके नगर और तिरुवोत्रियूर क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी द्वारा जारी एक विज्ञापन में कहा गया है कि पलानीस्वामी 29 मार्च को कन्याकुमारी और उसके सहयोगियों के लिए वोट मांगेंगे। वह 28 मार्च को उत्तर चेन्नई के आरके नगर और तिरुवोत्रियूर क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी द्वारा जारी एक विज्ञापन में कहा गया है कि पलानीस्वामी 29 मार्च को कन्याकुमारी और उसके सहयोगियों के लिए वोट मांगेंगे। वह 28 मार्च को उत्तर चेन्नई के आरके नगर और तिरुवोत्रियूर क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी द्वारा जारी एक विज्ञापन में कहा गया है कि पलानीस्वामी 29 मार्च को कन्याकुमारी और उसके सहयोगियों के लिए वोट मांगेंगे। वह 28 मार्च को उत्तर चेन्नई के आरके नगर और तिरुवोत्रियूर क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगे।

छोटे दलों के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अंतिम चरण में : अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को कहा कि टीएमसी (एम) और आईजेके जैसी सहयोगी पार्टियों के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है और इसके जल्द ही पूरा होने के करीब है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अन्नाद्रमुक का चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए पलानीस्वामी ने संवाददाताओं से कहा, छोटी पार्टियों के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। तमिल मानिला कांग्रेस-मुपानार, पुरची भारतम पार्टी और आईजेके के साथ बातचीत चल रही है।

केरल विस चुनाव : पेरारूर के दुर्गम क्षेत्र में है कड़ा चुनावी मुकाबला



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/भाषा। केरल में राजनीतिक रूप से संवेदनशील कन्नूर जिले का पेरारूर विधानसभा क्षेत्र एक अपेक्षाकृत शांत इलाका माना जाता है जहां अधिकतर लोग अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं। लेकिन यह पहाड़ी क्षेत्र जिले की प्रमुख राजनीतिक ताकत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के लिए एक कठिन इलाका बना हुआ है। इस पहाड़ी क्षेत्र में इंसान एक वन्यजीव के बीच संघर्ष की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

केरल की सबसे जानी-मानी वामपंथी नेताओं में से एक, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के.के. शैलजा को मैदान में उतारकर, पार्टी इस पहाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं से जुड़ने के लिए एक मजबूत प्रयास कर रही है। हालांकि, कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि कांग्रेस के गढ़ में निवर्तमान विधायक और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ को खिलाफ उनकी उम्मीदवारी माकपा के भीतर प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उन्हें और हाथिये पर पहुंचाने की एक चाल है।



कर्नाटक व्यवसाय, व्यापार, आजीविका और व्यवसाय कर (संशोधन) विधेयक-2026 विधान परिषद में स्वीकृत

बेंगलूर। कृषि मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा द्वारा विधान परिषद में प्रस्तुत कर्नाटक विधानसभा द्वारा पारित कर्नाटक व्यवसाय, व्यापार, आजीविका और व्यवसाय कर (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी गई। बाद में इस विधेयक के बारे में बात करते हुए मंत्री जी ने कहा कि यह एक बहुत ही सरल संशोधन है और पेशेवर कर लगाना संविधान में स्थित है। जो लोग प्रति माह 25 हजार रुपये से अधिक कमाते हैं, उन्हें प्रति वर्ष 2500 रुपये देना होता है। उन्हें कर भुगतान के साथ-साथ रिटर्न भी दाखिल करना पड़ता था। इस संशोधन में रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को हटा दिया गया है। इससे जनता को रिटर्न दाखिल करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के पास जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इससे हमारे कर्मचारियों का समय भी बचेगा। हालांकि वरिष्ठ नागरिकों, सैन्यकर्मियों और दिव्यांगजनों को कर से छूट दी गई थी, लेकिन उन्हें शून्य रिटर्न दाखिल करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि इस संशोधन के बाद, उन्हें भी रिटर्न दाखिल करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे जनता और हमारे कर्मचारियों का समय बर्बाद नहीं होगा।



रजनीकांत ने आदित्य धर की 'धुरंधर: द रिवेंज' की प्रशंसा की

चेन्नई/नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' की सराहना करते हुए कहा कि यह सभी को देखनी चाहिए। गत 19 मार्च को रिलीज हुई यह फिल्म वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर अब तक 700 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। रणवीर सिंह अभिनेता यह फिल्म 2025 में रिलीज हुई 'धुरंधर' की अगली कड़ी है, जिसने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। रजनीकांत ने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'क्या फिल्म है... धुरंधर 2? आदित्य धर बॉक्स ऑफिस के 'बाप' हैं... रणवीर और पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। हर भारतीय को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। जयहिंद।' 'धुरंधर: द रिवेंज' में अभिनेता आराधन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी दुबारा अपनी भूमिकाओं में दिखें हैं।

फिल्म कंधार विमान अपहरण, 2001 के संसद हमले और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित खुफिया अभियानों की कहानी है। यह 'अंडरवर्ल्ड' में हजरा अली मजारी के उदय को दर्शाने के साथ-साथ जसकीरत सिंह रंगी के रूप में उसके अतीत की कहानी भी दिखाती है। 'धुरंधर: द रिवेंज' का निर्माण ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने किया है और इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ तथा मलयालम भाषाओं में रिलीज किया गया है।

राज्य के 325 शहरी स्थानीय निकायों में प्रतिदिन लगभग 7304 टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है : मंत्री रहीम खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। नगर प्रशासन और हज मंत्री रहीम खान ने कहा कि राज्य के 325 शहरी स्थानीय निकायों (ग्रेटर बेंगलूर प्राधिकरण को छोड़कर) में प्रतिदिन लगभग 7304 टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसमें से 6083 टन अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जा रहा है। विधान परिषद सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सदस्य डी.एस. अरुण के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)-1.0 योजना के तहत 219 शहरी स्थानीय निकायों में ठोस अपशिष्ट उपचार संयंत्र पहले से ही विकसित किए जा रहे हैं और कचरे का प्रसंस्करण किया जा रहा है।

उक्त शहरों में बुनियादी सुविधाओं और शुष्क अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं की स्थापना और



नवनिर्मित शहरों में अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों की स्थापना का कार्य स्वच्छ भारत मिशन (एन)-2.0 के अंतर्गत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बायजूद, स्थान की कमी और अपशिष्ट उपचार प्रणालियों की स्थापना के प्रति जन विरोध के कारण उच्च न्यायालयों में मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके चलते अपशिष्ट उपचार इकाइयों की स्थापना में देरी हो रही है। हालांकि, शहरी स्थानीय निकायों में अपशिष्ट उपचार को विकेंद्रीकृत करने या क्लस्टर मॉडल में अपशिष्ट उपचार करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

द्रमुक नीत गठबंधन में वीसीके को मिली आठ सीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (द्रमुक) ने मंगलवार को अपने गठबंधन सहयोगी विद्युथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के साथ सीट बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत वीसीके को दो सामान्य निर्वाचन क्षेत्रों सहित आठ सीट आवंटित की गई हैं। द्रमुक के राज्य मुख्यालय 'अन्ना अरियलयम' में दोनों दलों के नेताओं की मौजूदगी में द्रमुक अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ए. के. स्टालिन और वीसीके प्रमुख थिल थिरुमायलवन ने हस्ताक्षर कर इस समझौते को अंतिम रूप दिया।

वीसीके ने पहले दस सीटों की मांग की थी। हालांकि, यह मंगलवार को आयोजित दूसरे दौर

द्रमुक ने गठबंधन सहयोगी डीएमडीके को 10 सीट दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए मंगलवार को अपनी सहयोगी दल डीएमडीके को 10 सीट दीं। द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (द्रमुक) अध्यक्ष एके स्टालिन और डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयलक्ष्मी ने द्रमुक के मुख्यालय 'अन्ना अरियलयम' में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें डीएमडीके के लिए 10 सीटों की पुष्टि की गई। द्रमुक ने कांग्रेस पार्टी को 28 सीट दी हैं, जिसके बाद दिवंगत 'केप्टन' विजयकान्त द्वारा 2005 में बनायी गयी डीएमडीके को सबसे अधिक सीट दी गई हैं।

हुब्लली-धारवाड़ नगर निगम के लिए 3792 पदों को मंजूरी दी गई है : बी.एस. सुरेश



बेंगलूर। शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री बी.एस. सुरेश ने कहा कि हुब्लली-धारवाड़ नगर निगम के लिए 3792 पदों को स्वीकृत किया गया है। मंगलवार को विधान परिषद सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सदस्य एस.वी.एच. संकरुण के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने बताया कि स्वीकृत 3792 पदों में से 1059 पद स्थायी अधिकारियों और कर्मचारियों के रूप में कार्यरत हैं, जबकि 1760 कर्मचारी आउटसोर्स आधार पर काम कर रहे हैं। शेष 973 रिक्त पदों को चरणबद्ध तरीके से भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम में कार्यरत सभी कर्मचारियों का वेतन एसएफसी अनुदान के अंतर्गत वार्ड को स्वीकृत वेतन अनुदान और निगम के स्वयं के संसाधनों से दिया जाता है। सेवा से सेवानिवृत्त हुए या असमय मृत्यु हो चुके अधिकारियों और कर्मचारियों को पेंशन संबंधी सेवा सुविधाएं स्वीकृत करने के प्रस्ताव धारवाड़ स्थित पेंशन, लघु बचत एवं परिस्फिति एवं ऋण प्रबंधन विभाग को प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके बाद, लघु बचत एवं परिस्फिति एवं ऋण प्रबंधन विभाग द्वारा आदेशित पेंशन मामलों के लिए पेंशनभोगियों को लाभ का भुगतान कोषागार हुब्लली-धारवाड़ के कोषागार अधिकारियों द्वारा सीधे किया जाता है।

केरल भाजपा अध्यक्ष के हलफनामे पर विवाद, चंद्रशेखर ने कांग्रेस को अदालत जाने की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के हलफनामे को लेकर सियासी विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चंद्रशेखर ने बैंगलूर स्थित एक महंगी संपत्ति का विवरण छिपाया है और उसने इस संबंध में निवचन आयोग से शिकायत की है। चंद्रशेखर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संपत्ति छिपाने के दावे निराधार हैं और अगर कांग्रेस में अपने दावों को साबित करने का साहस है तो वह अदालत का रुख कर सकती है।

नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव में चंद्रशेखर नेमम सीट से वी. शिवनकुट्टी और पूर्व कांग्रेस विधायक के. सबरीनाथन के खिलाफ मैदान में हैं। सबरीनाथन ने कहा कि हलफनामे से जुड़े आरोप गंभीर हैं। सबरीनाथन ने यहां संवाददाताओं से कहा, आरोपों के अनुसार, उन्होंने (चंद्रशेखर ने) हलफनामे में अपनी 200 करोड़ रुपये की संपत्ति का विवरण नहीं दिया है। हमने इस मामले का अध्ययन किया है और हम जांच के दौरान इस मुद्दे को उठाएंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने इस मामले में पहले ही शिकायत दर्ज करा दी है और उसे उम्मीद है कि निवचन आयोग उचित कार्रवाई करेगा। हालांकि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के उम्मीदवार वी शिवनकुट्टी ने

राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ कांग्रेस के आरोपों के समर्थन में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, यह अफवाह है कि उन्होंने अपनी वारसविक संपत्ति का 25 प्रतिशत भी हलफनामे में नहीं बताया है, लेकिन जब हम इस मुद्दे को चुनाव अधिकारी के सामने उठाएंगे, तो हमारे पास ठोस दस्तावेज होने चाहिए। संभव है कि कांग्रेस के पास ऐसे दस्तावेज हों।

उन्होंने यह भी कहा कि वाम दल किसी तकनीकी आधार पर उनका नामांकन खारिज नहीं कराना चाहता, बल्कि मुकाबला होने देना चाहता है। वहीं, चंद्रशेखर ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर चुनाव लड़ने के लिए झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भी तीखा हमला करते हुए पुराने विवादों का जिक्र किया और वरिष्ठ नेताओं की आलोचना की। चंद्रशेखर ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य मंत्री शिवनकुट्टी लगातार उनके खिलाफ व्यक्तित्व हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह कोई नया आरोप नहीं है। हर चुनाव के समय इस तरह के आरोप लगाए जाते हैं। लोग विवाद नहीं, बल्कि विकास चाहते हैं। केरल की 140-सदस्यीय विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा।

द्रमुक और वीसीके के बीच सीट बंटवारे पर समझौता आज संभव : मंत्री शिवशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (द्रमुक) मंगलवार को अपने गठबंधन सहयोगी विद्युथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के साथ सीट बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर कर सकती है। परिवहन और बिजली मंत्री एस.एस. शिवशंकर ने यह जानकारी दी।

द्रमुक के वरिष्ठ नेता ने बताया कि सेव्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) का नेतृत्व कर रहे द्रमुक ने सोमवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को पांच सीट आवंटित कर समझौते को अंतिम रूप दिया था और अब मंगलवार को वीसीके के साथ समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। उन्होंने सोमवार दे रात पत्रकारों से कहा कि द्रमुक ने विधानसभा चुनावों के लिए अपना

प्रचार अभियान पहले ही शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, द्रमुक ने अपना प्रचार शुरू कर दिया है। उपमुख्यमंत्री (उदयनिधि स्टालिन) पहले से ही चुनाव प्रचार कर रहे हैं। हम 2026 का चुनाव जीतेंगे। पार्टी ने अब तक कांग्रेस को 28 सीट, वायको के नेतृत्व वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (एमडीएमके) को चार सीट, इंडियन यूनिवर्सिटी मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मिथिनयने मक्कल काची को दो-दो सीट और कोणुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) को दो सीट आवंटित की हैं। वहीं, कई दौर की बातचीत के बाद वाम दलों भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और माकपा को भी पांच-पांच सीटें दी गई हैं।



आधुनिक बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन और ब्यूटी सेंटर का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। वेंकट सेंटर फॉर एस्थेटिक हेल्थ में एक आधुनिक बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन सेंटर का शुभारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य वजन घटाने, संपूर्ण शारीरिक रूपांतरण, सौंदर्यवर्धन और पाचन स्वास्थ्य में सुधार के माध्यम से मोटापे की समस्या का समाधान करना है। बनशंकरी में नए केंद्र का उद्घाटन फोटोस्टॉप हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. विवेक जाबली ने किया। इस अवसर पर दिग्गज फिल्म अभिनेता श्रीनाथ और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर भी उपस्थित थे। वेंकट सेंटर फॉर एस्थेटिक हेल्थ की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इस नए केंद्र का शुभारंभ किया गया है। यह केंद्र अधिक वजन की समस्या का व्यापक उपचार प्रदान करेगा। यह सुरक्षित, स्थायी और वैज्ञानिक रूप से आधारित वजन घटाने के साथ-साथ सौंदर्य, त्वचा और नौद संबंधी समस्याओं, जैसे कि वजन के कारण होने वाली खरटे की समस्याओं का भी व्यापक उपचार प्रदान करेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म अपनाने पर एससी का दर्जा खत्म हो जाता है : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय को कहा कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एन वी अंजलिया की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से संबंधित व्यक्ति, किसी अन्य धर्म को अपनाकर एससी का दर्जा तुरंत और पूरी तरह खो देता है। पीठ ने कहा, ऐसे किसी भी व्यक्ति को धारा तीन के अनुसार अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाता। उसे संविधान या संसद या राज्य विधानमंडल के किसी कानून के तहत कोई भी वैधानिक लाभ, संरक्षण या आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यह पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसमें कोई अपवाद नहीं है। कोई व्यक्ति धारा तीन में उल्लेखित धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करते हुए अनुसूचित जाति की सदस्यता का दावा नहीं कर सकता। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल 2025 को कहा था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपना लेता है और उसे सक्रिय रूप से मानता व पालन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता।

आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया के लिए 6.97 करोड़ से अधिक जांच : अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि देशभर के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सिकल सेल रोग (एससीडी) का पता लगाने के लिए 6.97 करोड़ से अधिक जांच की जा चुकी है और 3.93 करोड़ 'जेनेटिक स्टैटस कार्ड' वितरित किए गए हैं। उच्च सदन को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत शून्य से 40 वर्ष के आयु वर्ग के लक्षित समूह की जांच 17 आदिवासी बहुल राज्यों में जिला अस्पतालों से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर तक सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में की जा रही है। राज्यों द्वारा सिकल सेल रोग पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार अब तक 6.97 करोड़ से अधिक जांच की जा चुकी है। सिकल सेल रोग रक्त संबंधी एक समस्या है जिसमें व्यक्ति के अंदर रक्ताल्पता भी होने लगती है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों में सिकल सेल रोग के लिए उज्ज्वला केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सपर्टिस) स्थापित करने हेतु लागत मानवदंड तय किए हैं, जिन्हें जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। अब तक 15 राज्यों में 17 उज्ज्वला केंद्रों को नजदीकी दी गई है।

500 रुपए उधार न चुकाने पर विवाह समारोह में नाबालिग की हत्या

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले में एक शादी समारोह के दौरान 500 रुपए के विवाद को लेकर 16 साल के एक लड़के ने कथित तौर पर चाकू से हमला कर 15 वर्षीय अपने सहपाठी की हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सत्यम निषाद (15) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों लड़के एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे, जहां आरोपी ने सत्यम को रोका और उससे कुछ महीने पहले लिए गए 500 रुपए के उधार के बारे में पूछा। पुलिस ने बताया कि जब सत्यम ने उधार की रकम लौटाने के लिए दो अप्रैल तक का समय मांगा तो दोनों के बीच बहस बढ़ गई। कानपुर देहात की पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया, अचानक गुस्से में आकर आरोपी ने सब्जी काटने वाला चाकू निकाला और सत्यम के घेरे में कथित तौर पर कई बार वार किए, जिससे वह गिर पड़ा। उन्होंने बताया कि इससे वहां अचानक-तकरीबी सचुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ओडिशा: कंधमाल में 55 लाख रुपए के इनामी माओवादी सूकू ने आत्मसमर्पण किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सर्वाधिक वांछित और 55 लाख रुपए के इनामी माओवादी सूकू ने मंगलवार को कंधमाल जिले में चार अन्य साथियों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुरानिया ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश समिति के सदस्य सूकू ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि मलकानगिरी जिले के मूल निवासी सूकू को राज्य में सक्रिय बच्चे अंतिम माओवादी नेताओं में से एक माना जाता था। यह आत्मसमर्पण ऐसे समय में हुआ जब केंद्र सरकार द्वारा वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की 31 मार्च की समय सीमा नजदीक आ रही है। अधिकारियों ने बताया कि विशेष अभियान समूह (एसओजी), सीआरपीएफ, जिला स्वयंसेवी बल और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त सुरक्षा बलों ने कंधमाल, रायगड़ा और कालाहांडी जिलों की साझा सीमा पर नक्सल-रोधी अभियान तेज कर दिया था, जहां सूकू और उसके साथी छिपे हुए थे।

पूर्ववर्ती सरकारों ने न सिर्फ उप्र का विश्वास तोड़ा, नौजवानों के सपने भी तोड़े : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों को विकास विरोधी करार देते हुए मंगलवार को कहा कि उन्होंने न केवल प्रदेश का विश्वास तोड़ा, बल्कि यहां के युवाओं के 'सपनों को भी चकनाचूर' किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां उन्नत सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र 3.0' की शुरुआत करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "यह विश्वास, जिसे राजनीतिक कारणों से पिछली सरकारों ने तोड़ा था, केवल विश्वास नहीं था, बल्कि उत्तर प्रदेश के



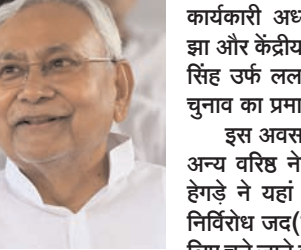
नौजवानों के सपनों को भी चकनाचूर किया गया था।" योगी ने समारोह में उपस्थित निवेशकों से मुखातिब होते हुए कहा, "उत्तर प्रदेश देश के भीतर निवेश के एक विशेष गंतव्य के रूप में स्थापित हो-यह सपना नौ वर्ष पहले देखा गया था। आप सभी की उपस्थिति उस सपने को जमीन पर उतारने का कार्य कर रही है।" उन्होंने कहा, "आपने प्रदेश में 'डबल इंजन' सरकार पर विश्वास किया है। आपके इस विश्वास पर खरा उतरने और आपको अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए इस सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं।" मुख्यमंत्री ने भाजपा-नीत सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते

हुए कहा कि इसके कारण उत्तर प्रदेश पूरे देश में निवेश के प्रमुख स्थल के रूप में उभरा है। योगी ने कहा, "इस विश्वास को देखकर लगता है कि वास्तव में यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।" उन्होंने विपक्ष पर तंज करते हुए कहा, "उत्तर प्रदेशवासियों के सामने पहचान का संकेत खड़ा किया गया था। देश की सबसे अधिक आबादी वाले राज्य के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाए गए थे।" योगी ने कहा, "मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की उत्तर प्रदेश सरकार पर आपने जो विश्वास नौ वर्षों से लगातार व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने के लिए हमारी टीम ने निरंतर परिश्रम किया है और उसके परिणाम हर स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।"

नीतीश कुमार निर्विरोध जद(यू) के अध्यक्ष चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को जगता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद पर चुने गए, क्योंकि पार्टी के शीर्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। नीतीश दिसंबर 2023 में लोकसभा चुनाव से पहले ललन सिंह के जद(यू) अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद से ही पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। नीतीश (75) हाल ही में हुए चुनावों में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं निर्वाचन अधिकारी अनिल प्रसाद हेगड़े ने नीतीश कुमार के जद(यू) अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की और पार्टी के



केंद्रीय कार्यालय में जद(यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को उनके चुनाव का प्रमाण पत्र सौंपा। इस अवसर पर पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। हेगड़े ने यह नीतीश कुमार के निर्विरोध जद(यू) अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने की घोषणा की और पार्टी नेताओं को प्रमाण पत्र सौंप दिया। उन्होंने कहा, "बुद्धि किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है, इसलिए मैं नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित करता हूँ।" हालांकि, नीतीश कुमार जद(यू) अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा के समय वहां मौजूद नहीं थे। उनकी गैर-मौजूदगी के बारे में पूछे जाने पर, झा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री समृद्धि यात्रा में भाग ले रहे हैं।

सरकार को ट्रांसजेंडर समुदाय से संबंधित विधेयक हड़बड़ी में लाने की क्या जरूरत थी : विपक्षी सांसद

नई दिल्ली/भाषा। सरकार पर ट्रांसजेंडर समुदाय से संबंधित एक विधेयक हड़बड़ी में संसद में लाने का आरोप लगाते हुए विपक्ष के कुछ सांसदों ने मंगलवार को सवाल किया कि जब दुनिया में युद्ध की स्थिति है और अंतरराष्ट्रीय हालात के प्रभावों पर चर्चा होनी चाहिए, ऐसे में इस संशोधन विधेयक को लाने की ऐसी क्या तर्काला आवश्यकता है। लोकसभा में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए राष्वादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने इसका विरोध करते हुए कहा कि जब दुनिया में युद्ध के हालात हों और विषम परिस्थिति हों तो सदन में इस मुद्दे पर चर्चा के बजाय इस विधेयक पर चर्चा की क्या जल्दबाजी थी। उन्होंने विधेयक को वापस लेने और संसद की किसी समिति को अध्ययन के लिए भेजने की मांग करते हुए, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की सदस्य डॉ बी शबरी के भाषण का उल्लेख किया और दावा किया कि जन्म के समय ट्रांसजेंडर होने की लैंगिक पहचान को कोई भी शत-प्रतिशत प्रमाणित नहीं कर सकता। इससे पहले, तेदेपा सांसद शबरी ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा था कि जब बच्चे का जन्म होता है तो डॉक्टर लिंग की पहचान करते हैं और जन्म प्रमाणपत्र में भी इसका उल्लेख होता है। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय के मामले में मेडिकल प्रक्रिया से पहचान में क्या आपत्ति होनी चाहिए।



प्रधानमंत्री का वक्तव्य भ्रम पैदा करने की कवायद थी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट पर राज्यसभा में जो वक्तव्य दिया, वो भ्रम पैदा करने की कवायद थी और उससे जवाब मिलने के बजाय नए सवाल खड़े हो गए। राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है, जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर राज्यसभा में वक्तव्य देते हुए कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर उर्जा संकट पैदा कर दिया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी का 20 मिनट का बयान, ज्यादा से ज्यादा भ्रम पैदा करने की एक कवायद थी।" उन्होंने कहा, "हम तीन मूलभूत प्रश्नों



के स्पष्ट उत्तर चाहते हैं। सबसे पहले, अपने अरसंगत और अस्थिर कूटनीतिक रूप के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के संतुलन को बदल दिया है। प्रधानमंत्री इस स्पष्ट बदलाव के बारे में सवाल और राष्ट्र को विश्वास में लेने में क्यों विफल रहे, और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता बहाल करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं?" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लगभग 37-40 भारतीय ध्वज वाले जहाज, जिनमें लगभग 1,100 नाविक हैं, होर्मुज जलमरुमध्य में फंसे हुए हैं, जिनका माल लगभग 10,000 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्तित्व रूप से दो बार ईरानी राष्ट्रपति से बात करने और विदेश मंत्री द्वारा अपने ईरानी समकक्ष के साथ कई बार बातचीत करने के बावजूद, भारत अपने स्वयं के जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने में विफल क्यों रहा है? चीन, रूस, जापान जैसे देशों के साथ-साथ अन्य 'मित्र देशों' को सुरक्षित पारगमन की अनुमति

क्यों दी जा रही है, जबकि भारतीय जहाज फंसे हुए हैं?" खरगे के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश की कच्चे तेल एवं गैस की मांग को 27 देशों से आयात करके पूरा किया जाता था, वहीं आज भारत 41 देशों से उर्जा आयात करता है। उन्होंने सवाल किया, "यदि हां, तो कौन से देश वर्तमान में भारत को एएनपीजी, एलपीजी और कच्चे तेल की आपूर्ति कर रहे हैं और कितनी मात्रा में? देश भर में नागरिकों को अभी भी कमी, लंबी कतारों, कालाबाजारी और अधिक कीमतों का सामना क्यों करना पड़ रहा है?" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "प्रधानमंत्री ने अब स्थिति की तुलना को 'वीड' से की है। राष्ट्र महामारी के दौरान की दुखद पीड़ा को नहीं भूल सकता, जब 40 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई और अनगिनत नागरिकों को अक्सिजन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करना पड़ा।" खरगे ने सवाल किया, "क्या प्रधानमंत्री अब यह सुझाव दे रहे हैं कि 140 करोड़ भारतीय नागरिकों को एक बार फिर अपनी सुरक्षा स्वयं संभालनी होगी, क्योंकि देश बढ़ते उर्जा संकट के साथ-साथ भोजन, उर्वरक, एमएसएमडी और म्यूटारकीति के दबाव का सामना कर रहा है?" उन्होंने बयान किया कि प्रधानमंत्री मोदी का बयान बहुत देर से आया है और जवाब देने से ज्यादा सवाल खड़े करता है।



प्रधानमंत्री का भाषण आत्म-मुग्धता और पाखंड से मरा था : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया संकट को लेकर जो वक्तव्य दिया वो आत्म मुग्धता और पाखंड से भरा था। राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री ने आज दोपहर राज्यसभा में पश्चिम एशिया पर करीब 20 मिनट तक बात की। कल लोकसभा में उनके बयान की तरह, राज्यसभा में उनके बयान पढ़ने के बाद विपक्ष को कोई स्पष्टीकरण मांगने की अनुमति नहीं दी गई।" उन्होंने आरोप लगाया कि जैसा कि अपेक्षित था, यह आत्म-प्रशंसा से भरा एक भाषण था।

माजपा की मुहर से साबित हो गया कि आयोग को कौन चला रहा है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के पत्र पर कथित तौर पर भाजपा की मुहर लगी होने के बाद यह बात संदेह से परे साबित हो गई है कि कौन सी पार्टी पदों के पीछे से आयोग को चला रही है। निर्वाचन आयोग के मार्च 2019 के एक पत्र पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई की मुहर लगी पाई जाने के बाद सोमवार को राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। बनर्जी ने चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने के लिए उत्तरी बंगाल के बागडोगरा रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, "निर्वाचन आयोग की अधिसूचना पर भाजपा की मुहर लगी होने से यह स्पष्ट हो गया है कि पदों के पीछे से आयोग को कौन चला रहा है। पोल खुल चुकी है।" उन्होंने अपने दावों को सही साबित करने के लिए इस विवाद पर एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर दिखाई। मुख्यमंत्री ने आयोग का जिक्र किए बिना कहा, "पदों के पीछे से अपने खेल खेलने की कोई जरूरत नहीं है। खुलकर सामने आएँ और हमसे आगने-सामने मुकाबला करें।" बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा नदीग्राम के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) का तबादला भवानीपुर में करने के

कदम से राजनीतिक साजिश की बू आ रही है। उन्होंने परोक्ष रूप से दावा किया कि बीडीओ भाजपा नेता शंभुदेव अधिकारी के करीबी हैं। भवानीपुर सीट पर बनर्जी और अधिकारी का मुकाबला होगा। बनर्जी ने कहा, "सोमवार को निर्वाचन आयोग ने राज्य के 73 निर्वाचन अधिकारियों का तबादला कर दिया। इससे पहले, उन्होंने बंगाल के लगभग 70 शीर्ष आईपीएस और आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया, जिनमें मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और कोलकाता के मुख्य सचिव शामिल थे। अब हमें पता चल गया है कि इसके पीछे किस पार्टी की भूमिका है।" तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने इसे एक गलती बताने के निर्वाचन आयोग के बयान को खारिज करते हुए कहा, "यह कोई लिपिकीय गलती नहीं है। यह जानबूझकर राजनीतिक इरादे से किया गया था।" उन्होंने दावा किया कि यह पत्र केवल केरल के लिए नहीं था, बल्कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को संबोधित था।

ट्रांसजेंडर विधेयक संवैधानिक अधिकारों पर हमला, इसका विरोध करेंगे: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से संबंधित विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के संवैधानिक अधिकारों एवं पहचान पर सीधा हमला है, जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी। ट्रांसजेंडर समुदायों के कुछ लोगों ने मंगलवार को राहुल गांधी से मुलाकात की और अपनी धिंता से उन्हें अगवात कराया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर एक खुला हमला है।" उन्होंने दावा किया कि यह प्रतिगामी विधेयक उच्चतम न्यायालय के फैसले का उल्लंघन करते हुए, ट्रांसजेंडर लोगों की खुद को पहचानने की क्षमता छीनता है, पूरे भारत में समुदायों की विविध सांस्कृतिक पहचान को मिटाता है,

ट्रांसजेंडर लोगों को मेडिकल बोर्ड द्वारा अमानवीय परीक्षाओं से गुजरने के लिए मजबूर करता है, सुरक्षा उपायों के बिना आपराधिक दंड और निगरानी का प्रावधान करता है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस समुदाय से परामर्श नहीं किया और एक विधेयक लाया गया जो उनकी रक्षा करने के बजाय उन्हें 'कलंकित' करता है। राहुल गांधी ने कहा, "संविधान प्रत्येक भारतीय के जीवन, स्वतंत्रता, पहचान और सम्मान के अधिकार की रक्षा करता है। यह भाजपा सरकार हमारे संविधान का उल्लंघन कर रही है और अपने संकीर्ण विचारों के चलते ट्रांसजेंडर समुदायों को समाप्त देने के भारत के समृद्ध इतिहास को नष्ट कर रही है।"

देश में सिर्फ 'सिलेंडर संकट' नहीं, 'सरेंडर संकट' भी है : दीपेंद्र हुड्डा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने मंगलवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में सिर्फ 'सिलेंडर संकट' नहीं, बल्कि 'सरेंडर संकट' भी है जहां भारत के फैसले अमेरिका कर रहा है। उन्होंने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, "ईरानी मुद्रा रियाल, लेबनानी पाउंड और भारतीय रुपए में सबसे तेज गिरावट आई है। ईरान और लेबनान पर बम गिर रहे हैं। वित्त मंत्री बताएँ

कि भारत पर कौन सा बम गिर रहा है।" हुड्डा ने कहा कि आज प्रति लीटर पेट्रोल पर 23 रुपए और प्रति लीटर डीजल पर 21 रुपए उत्पाद शुल्क वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक प्रतिशत नागरिकों के हाथ में 40 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि 50 प्रतिशत लोगों के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है।

हम सफलता का अहंकार नहीं पाल रहे हैं, बल्कि विनम्रता से शुरुआत करेंगे : क्रिकेट निदेशक मो बोबाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

बेंगलूर/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने मंगलवार को खिलाड़ियों से अपील की कि वे बीते सत्र में मिली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पहली ट्रांफि के बाद अहंकार से बचें और नए सत्र में विनम्रता बनाए रखें। आरसीबी ने 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। बोबाट ने सत्र-पूर्व प्रेस वार्ता में कहा, यह एक नया अभियान है। पिछले साल हम 17 साल के बोझ के साथ नहीं थे, और इस साल हमें एक साल की सफलता के अहंकार के साथ भी नहीं चलना है। हमें विनम्रता के साथ शुरुआत करनी होगी। उन्होंने कहा, पहली ट्रांफि जीतना अच्छा है क्योंकि इसका मतलब है कि हम भविष्य की ओर देख सकते हैं। अब हमें इस तरह के सवालों का जवाब ज़्यादा नहीं देना पड़ेगा। उम्मीद है कि हम अपने सामने मौजूद चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। बोबाट ने आरसीबी के लंबे समय तक खिताब न जीत पाने को 'श्राप' के रूप में नहीं देखा। उन्होंने कहा कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खिलाड़ी बदलते रहते हैं, इसलिए हर कोई उस लंबे इंतजार के बोझ को समान रूप से महसूस नहीं करता। उन्होंने कहा, मैं इसे बदकिस्मती नहीं कहूंगा। फ्रेंचाइजी क्रिकेट बहुत ही अस्थिर

होता है और खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। भले ही हमारे प्रशंसक और फ्रेंचाइजी 17 सालों से उस बहुप्रतीक्षित ट्रांफि का इंतजार कर रहे हों, लेकिन इसमें शामिल सभी लोगों का नजरिया ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, अगर मैं खुद को देखूँ तो यह आरसीबी के साथ मेरा सिर्फ दूसरा सत्र था। मुझे इस बात का एहसास है कि हमने इतने सालों से ट्रांफि नहीं जीती है, लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से उस बोझ को अपने ऊपर नहीं ले रहा था। इसलिए मुझमें नई ऊर्जा और उम्मीद है। यही बात टीम के अधिकांश खिलाड़ियों पर भी लागू होती है। उन्होंने हालांकि टीम के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली का उदाहरण देते हुए

कहा कि 2008 से जुड़े होने के कारण उनके लिए यह जीत भावनात्मक थी। उन्होंने साथ ही एबी डिविलियर्स और किस गेल जैसे खिलाड़ियों के योगदान को भी खास बताया। उन्होंने कहा, विराट एक अनोखा उदाहरण हैं। जाहिर है, उन्होंने पूरा सफर तय किया है और कई सालों के उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसलिए, उनके लिए व्यक्तिगत रूप से उस (2025) फाइनल के अंत में भावनाओं का एक बेहद भावुक क्षण था। बोबाट ने कहा, और यह देखना वाकई बहुत खूबसूरत था। यह बहुत अच्छा था कि हम एबी डिविलियर्स और किस गेल जैसे खिलाड़ियों के साथ उस पल को साझा कर सके। ये फ्रेंचाइजी के लिए बड़े और प्रतिष्ठित खिलाड़ी रहे हैं। हालांकि इतना कहना चाहूंगा कि हर किसी ने इसे उसी तरह अनुभव नहीं किया होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। हरफनमौला खिलाड़ियों की नाराजगी के बावजूद भारत के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने मंगलवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का विवादस्पद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम आगे भी बना रहेगा। भारतीय टी20 उप-कप्तान और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल द्वारा इस नियम की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद गांगुली ने कहा कि विभिन्न मतों के बावजूद इस नियम को हटाने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, मुझे लगता है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम रहेगा। जब मैं बीसीसीआई अध्यक्ष था, तब यह आ चुका था। यह यही रहेगा, किसी को पसंद आएगा, किसी को नहीं। यह नियम टीमों को अपनी एकादश में से किसी भी खिलाड़ी को मैच के दौरान पांच में से किसी एक विकल्प से बदलने की अनुमति देता है। पूर्व कप्तान ने

यह भी कहा कि लीग में कई युवा खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र रहेंगे, जिनमें जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज ऑकिब नबी शामिल हैं। नबी को दिल्ली कैपिटल्स ने 8.4 करोड़ रुपए में खरीदा है। गांगुली ने कहा, वैभव स्वयंशी, अमिषक शर्मा, यशस्वी जयसवाल, आयुष महारे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी आईपीएल का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, मैं ऑकिब नबी को देखने के लिए उत्सुक हूँ। वे सभी युवा हैं वार्शिगम सुंदर युवा हैं, तिलक वर्मा युवा हैं। वे सभी अपने चरम पर हैं और यही आईपीएल की पहचान है। गांगुली ने मार्गदर्शन में प्रिटोरिया कैपिटल्स एसए20 लीग में उपविजेता रहा। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में कोच की जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं क्रिकेट से जुड़े रहना चाहता हूँ तथा कोचिंग में मेरी रुचि है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर में खिलाड़ी, कप्तान और प्रशंसक हर भूमिका निभाई है। वह भविष्य में मिलने वाले हर अवसर को अपनाने के लिए तैयार हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। हरफनमौला खिलाड़ियों की नाराजगी के बावजूद भारत के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने मंगलवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का विवादस्पद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम आगे भी बना रहेगा। भारतीय टी20 उप-कप्तान और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल द्वारा इस नियम की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद गांगुली ने कहा कि विभिन्न मतों के बावजूद इस नियम को हटाने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, मुझे लगता है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम रहेगा। जब मैं बीसीसीआई अध्यक्ष था, तब यह आ चुका था। यह यही रहेगा, किसी को पसंद आएगा, किसी को नहीं। यह नियम टीमों को अपनी एकादश में से किसी भी खिलाड़ी को मैच के दौरान पांच में से किसी एक विकल्प से बदलने की अनुमति देता है। पूर्व कप्तान ने

सुविचार



पुराने झगड़ों को पकड़कर बैठने से मन मारी रहता है। मूलना और आगे बढ़ना मानसिक शांति का एकमात्र मार्ग है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एकजुट होकर आगे बढ़ने का समय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उपजे हालात के बारे में जो टिप्पणी की है, उससे देश में एकता का संदेश गया है। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि 'हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।' वास्तव में कोरोना काल में पैदा हुई चुनौती बहुत बड़ी थी। वह महामारी का दौर था। हमने उस पर जीत हासिल की थी। वर्तमान चुनौती उसकी तुलना में बहुत छोटी है। इसमें संक्रमित होकर मृत्यु होने का जोखिम तो नहीं है। भारत सरकार राहत पहुंचाने के लिए अपने स्तर पर कोशिश कर रही है। देशव्यापी भी संयम और अनुशासन का पालन करें। इस समय कुछ नेताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को अच्छा मौका मिल गया है। वे ईंधन की कमी का मुद्दा उठाकर केंद्र सरकार को घेर रहे हैं। एक इन्फ्लुएंसर जो खुद को गांधी का भतीजा भी बताती हैं, महंगी कार में घूमती हैं। उन्होंने खाली सिलेंडर के पास मिट्टी का चूल्हा बना लिया है। दरअसल वे यह दिखाना चाहती हैं कि सिलेंडर नहीं मिलने से बहुत मुश्किल हालात का सामना कर रही हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर मिट्टी के चूल्हे की फोटो ऐसे पोस्ट कर रहे हैं, जैसे इस पर खाना बनाना कोई भयंकर सजा हो। यह मुश्किल समय है, जो हमेशा नहीं रहेगा। यह भी बीत जाएगा। यह एकजुट होकर आगे बढ़ने का समय है। नेतागण और इन्फ्लुएंसर जनता का मनोबल न तोड़ें। अभी सोशल मीडिया पर जैसी सामग्री पोस्ट की जा रही है, उससे लोगों में घबराहट फैल रही है। जिसे गैस सिलेंडर की सुरत जरूरत नहीं है, वह भी कतार में लग रहा है। जिसकी गाड़ी में पर्याप्त तेल है, वह भी टैंक फुल करवाने की कोशिश कर रहा है। क्या हम मुश्किल समय का ऐसे मुकाबला करेंगे?

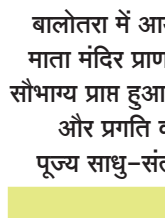
भारत अपनी ईंधन संबंधी जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर है। वहां युद्ध छिड़ने पर पहले की तरह आपूर्ति नहीं हो सकती। हालांकि भारत सरकार ने बातचीत कर रास्ते खुलवाए हैं। अन्य देशों से संपर्क किया जा रहा है। ईंधन पहुंचने में समय लगता है। तब तक लोगों को धैर्य से काम लेना होगा। सरकार को चाहिए कि वह साइकिल के उपयोग को बढ़ावा दे। पूर्व में इस पर बातें तो खूब हुईं, लेकिन धरातल पर कोई खास असर दिखाई नहीं दिया। अगर हमारे देश में बेहतर साइकिलें बनाने के लिए शोध होता, बाजार में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त और आकर्षक डिजाइनों वाली साइकिलें उपलब्ध होतीं तो लोगों को बहुत मदद मिलती। उन्हें अपने दोपहिया वाहन लेकर पेट्रोल पंप पर लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ता। जितना प्रचार तेल से चलने वाले वाहनों का किया गया, उतना साइकिल का नहीं किया गया। भारत में सड़कों की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। उन्हें साइकिलों के लिए सुरक्षित बनाने की जरूरत है। यह एक ऐसा साधन है, जिसकी रफ्तार कम है, लेकिन यह जीवन को रकने नहीं देगी। युवाओं के बीच इसे लोकप्रिय बनाना चाहिए। यूरोप में कई सुंदर डिजाइनों वाली साइकिलें चलन में हैं। वहां जो लोग साइकिलों का उपयोग करते हैं, उन्हें पर्यावरण का हितैषी समझा जाता है। कुछ कंपनियों तो ऐसे कर्मचारियों को आर्थिक प्रोत्साहन देती हैं, जो साइकिल से दफ्तर आते हैं। वहां साइकिल चलाने को किसी व्यक्ति की कमजोर आर्थिक स्थिति से जोड़कर नहीं देखा जाता और न ही उसकी प्रतिष्ठा में कोई कमी आती है। क्या हम अपने देश में ऐसा नहीं कर सकते? एक अध्ययन के अनुसार, अगर भारत में युवा जनसंख्या पांच किमी तक यात्रा के लिए साइकिल का उपयोग करे तो हर साल लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। इसमें ईंधन और वाहन के खर्चों की बचत शामिल है। स्वास्थ्य पर होने वाले खर्चों की काफी बचत हो सकती है। पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी, सो अलग। बस, हमें सोच बदलने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक



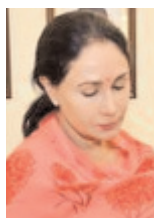
मोदी सरकार ने गत तीन वर्षों में राजस्थान में 1019 आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को मंजूरी दी है, जबकि कुल 2019 केंद्रों के संचालन की स्वीकृति दी जा चुकी है। यह राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

-मदन राठौड़



बालोतरा में आयोजित ललित महायज्ञ एवं माँ सरस्वती माता मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रदेश की सतत उन्नति और प्रगति की कामना की। साथ ही, इस अवसर पर पूज्य साधु-संतों का सांख्यिक एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

-भजनलाल शर्मा



कक्षा 10वीं में उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प ने आपको इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। आपके उज्वल भविष्य की नई दिशा निर्धारित करती है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

वाणी की मिठास

संत आत्मदेव के पांच शिष्य थे। एक दिन गुरु आत्मदेव ने शिष्यों से कहा, 'जो परीक्षा में पाय होगा। मैं उसे अपना योग्य शिष्य बनाऊंगा।' पांच शिष्यों ने कहा 'गुरुजी आप कभी भी हमारी परीक्षा ले सकते हैं। एक दिन संत आत्मदेव ने सभी को बुलाकर कहा- तुम्हारी परीक्षा का समय आ गया तुम लोगों को दो घंटे के अन्दर में प्रश्न का उत्तर देना होगा कहकर कहा, 'यह बताओ सबसे मीठा क्या है?' सभी शिष्य प्रसन्न हुए। किसी ने ईश्वर, किसी ने शक़र, किसी ने गुड़ आदि को मीठा बताया पर गुरु आत्मदेव इनके उत्तर से संतुष्ट न हुए। अंत में संत आत्मदेव बोले- यह सत्य पदार्थ तो केवल मुंह में मिठास चोलेते हैं। इन सबसे बढ़कर 'वाणी की मिठास' है। इसी से आदमी पूजा जाता है।

असम में जेएमएम ने कांग्रेस के लिए बंद किए दरवाजे

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

आखिरकार अंतिम समय में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने असम में 21 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। पार्टी ने कांग्रेस से गठबंधन की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। कांग्रेस झामुमो को 7 सीट से अधिक देने को तैयार नहीं हुई। कांग्रेस को पता है कि असम में झामुमो की कोई खास पकड़ नहीं है। इसलिए उसने 7 सीटों से अधिक देना उचित नहीं समझा। दोनों तरफ से बारंबारिंग हुई। लेकिन बात नहीं बनी। यह स्वाभाविक राजनीतिक स्थिति है कि जिस राज्य में जिस पार्टी का दबदबा रहता है वह अपने हिसाब से गठबंधन करती है और सहयोगी दलों को सीट देती है। असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा है कि इस निर्णय से राज्य में आदिवासी मतों का बिखराव होगा। झामुमो ने सोमवार को 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा के लिए 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है। केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव में झामुमो के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर एवं सकारात्मक पहल की थी। झामुमो को पांच से सात सीटों का प्रस्ताव भी दिया गया था।

यह भी आश्चर्य का विषय है कि जिन सीटों पर झामुमो चुनाव लड़ेगा, वहां कांग्रेस का पूरा संगठनात्मक समर्थन रहेगा। कांग्रेस की मंशा स्पष्ट रूप से यह थी कि झामुमो के प्रतिनिधि असम विधानसभा में पहुंचें। लेकिन, झामुमो ने स्थानीय दलों के सहयोग को लेकर 21 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी असम में झामुमो के चुनावी नतीजे के बारे में कोई अंदाजा नहीं लगाता चाहती, लेकिन हमें खिता है कि झामुमो को यह फैसला आदिवासी वोटों को बांट सकता है।

ऐसे में पार्टी ने अब अकेले चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पार्टी 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगी, जबकि एक सीट भाकपा माले के लिए छोड़ी गई है। नामांकन की अंतिम तिथि कल ही होने के कारण पार्टी ने तेजी से रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। काफी समय से कयास लगाए जा रहे थे कि विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन के साथ बीजेपी के सामने खड़े होंगे। इसी सिलसिले में रांची से लेकर दिल्ली तक बैठकों का कई दौर चला। खुद असम कांग्रेस के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और गौरव गोगोई ने हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। बात यहीं नहीं रुकी, सोरेन खुद दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान से भी मिले, लेकिन हफ्ता की माथापट्टी के बाद भी सीटों के गणित पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। अंततः, झामुमो ने हार मानकर अपने 19 उम्मीदवारों की सूची फाइनल कर दी है और उन्हें पार्टी का पारंपरिक चुनाव चिन्ह तीर-कमान भी सौंप दिया गया है।

झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। इन



झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। इन समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। हालांकि, उसने विपक्षी एकजुटता का एक छोटा संदेश देते हुए बिहाली की सीट वामदलों (सीपीआईएमएल) के लिए छोड़ दी है।

समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। हालांकि, उसने विपक्षी एकजुटता का एक छोटा संदेश देते हुए बिहाली की सीट वामदलों (सीपीआईएमएल) के लिए छोड़ दी है।

असम की इस दूट का असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी तपिश झारखंड की राजनीति में भी महसूस की जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस घटनाक्रम से दोनों दलों के बीच तल्खी बढ़ सकती है, जिसका असर आगामी राज्यसभा चुनावों पर पड़ेगा। झारखंड में जल्द ही राज्यसभा की निर्वाचन होना है। अभी तक माना जा रहा था कि एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है, लेकिन अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि झामुमो दोनों

ही सीटों पर अपना दावा ठोक सकती है। लेकिन अंतिम दोनों में भाजपा क्या खेल करती है और झामुमो क्या रुख रहता है इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। इसलिए राज्यसभा का चुनाव झारखंड की राजनीति में टर्निंग पॉइंट हो सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि झारखंड की सत्ता में साझेदार थे दो दल इस कड़ावाहट को रांची की गलियों तक पहुंचने से कैसे रोकते हैं। असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है। राज्य की 126 सीटों के लिए हो रहे इस चुनाव में फिलहाल बीजेपी का पलड़ा भारी दिख रहा है, जिससे 2021 के चुनाव में 60 सीटें जीती थीं। अब जब विपक्षी एकता में संघ लग चुकी है, तो आम मतदाता के मन में सवाल है कि क्या झामुमो अपने दम पर वोट काटकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी या खुद के लिए एक नया आधार खड़ा करेगी। 4 मई को जब चुनावी नतीजे आएंगे, तभी पता चलेगा कि हेमंत सोरेन का यह साहसी फैसला कितना सही साबित हुआ।

नजरिया

वैश्विक संकट : तैयारी रखने में ही है जीत

प्रो. आरके जैन अरिजीत

जब वैश्विक क्षितिज पर युद्ध और अनिश्चितता के काले बादल मंडराने लगते हैं, तब किसी राष्ट्र की असली पहचान उसके साहस, तैयारी और दूरदर्शी नेतृत्व से होती है। लोकसभा में प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम एशिया की गंभीर स्थिति पर दिया गया संदेश इसी शक्ति और संकल्प का जीवंत उदाहरण है। उनका संबोधन केवल एक सामान्य चेताने नहीं था, बल्कि पूरे राष्ट्र को संतर्क, संगठित और सशक्त बनाने वाला दृढ़ आह्वान था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में संकेत दिया कि यह संघर्ष सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके प्रभाव पूरी दुनिया को प्रभावित करेंगे। ऐसे निर्णायक समय में भारत को कोविड काल जैसी अनुशासित एकजुटता, सजगता और मजबूत तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा, ताकि हर चुनौती को अवरुद्ध में बदला जा सके और राष्ट्र की प्रगति अखंड बनी रहे।

पश्चिम एशिया का यह संघर्ष महज राजनीतिक टकराव नहीं, बल्कि एक गहराते वैश्विक आर्थिक और ऊर्जा संकट की चेतावनी भी है। भारत जैसे तेजी से उभरते राष्ट्र के लिए यह स्थिति अत्यंत निर्णायक बन जाती है, क्योंकि ऊर्जा ही विकास की घुंटी है। ऐसे संवेदनशील समय में प्रधानमंत्री ने जिस आत्मविश्वास के साथ देश को आश्चर्य किया, वह सरकार की दूरदर्शिता और ठोस रणनीति का प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीते वर्षों में उठाए गए मजबूत और समायोजित कदम आज भारत को इस वैश्विक संकट के प्रभाव से सुरक्षित रखने में सक्षम हैं। ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर और सुरक्षित बनाए रखने के लिए अपनाई गई नीतियां अब अपनी प्रभावशीलता सिद्ध कर रही हैं, जो यह दर्शाती हैं कि सही समय पर लिए गए निर्णायक भविष्य की बड़ी चुनौतियों को काफी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति आज उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। आयात के स्रोतों का विस्तार कर उन्हें अनेक देशों तक फैलाना एक ऐसी रणनीति रही है, जिसने देश को किसी एक क्षेत्र पर निर्भर रहने से मुक्त कर दिया है। वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में यह



नीति भारत के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध हो रही है। इसके साथ ही, देश की रिफाइनरियां पूरी क्षमता से संचालित हो रही हैं और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी है। सामरिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण इस दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है, जिसने आपातकालीन परिस्थितियों में भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनने की नई शक्ति प्रदान की है।

घरेलू स्तर पर एलपीजी और अन्य आवश्यक ईंधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव के बावजूद आम नागरिकों को राहत पहुंचाना एक बड़ी उपलब्धि है, जो सरकार की जनहितकारी सोच को दर्शाता है। कोविड काल के कठिन समय में जिस प्रकार आवश्यक वस्तुओं को नियंत्रित कीमतों पर उपलब्ध कराया गया था, उसी संवेदनशील और जिम्मेदार नीति को आज भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। किसानों और आम परिवारों को आर्थिक दबाव से बचाना केवल एक नीति नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह स्पष्ट करता है कि देश के विकास के साथ-साथ जनकल्याण को भी समान और सर्वोच्च महत्व दिया जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां आज केवल प्रगति की कहानी नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर एक प्रेरणादायक उदाहरण

मविष्य की चुनौतियों को भांपते हुए भारत जिस तीव्र गति से नई ऊर्जा तकनीकों और संसाधनों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसकी दूरदर्शिता और संकल्प का प्रमाण है। ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत परमाणु ऊर्जा और उच्च इथेनॉल मिश्रण जैसी महत्वाकांक्षी पहलें देश को न केवल आत्मनिर्भर बना रही हैं, बल्कि उसे ऊर्जा स्वतंत्रता की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर कर रही हैं। प्रधानमंत्री का यह आह्वान कि कोविड काल जैसी एकजुटता आज भी उतनी ही आवश्यक है, केवल वर्तमान संकट तक सीमित नहीं, बल्कि मविष्य की हर चुनौती के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन है।

बन चुकी हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जैव ईंधन के तीव्र विस्तार ने देश को पारंपरिक ईंधनों की निर्भरता से बड़ी हद तक मुक्त कर दिया है। इथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने की नीति ने एक ओर जहां विदेशी मुद्रा की भारी बचत सुनिश्चित की है, वहीं दूसरी ओर किसानों को आय के नए और स्थायी स्रोत प्रदान किए हैं। इसके साथ ही, रेलवे की तीव्र विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन ने ऊर्जा के वैकल्पिक साधनों को नई गति दी है। ये सभी दूरदर्शी प्रयास आज के वैश्विक संकट के बीच भारत को मजबूती, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जिस स्पष्टता और दृढ़ता के साथ देश को सचेत किया, वह नेतृत्व की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने रेखांकित किया कि किसी भी संकट में सबसे बड़ा खतरा बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की घबराहट और अफवाहें होती हैं। ऐसे समय में संयम, जागरूकता और जिम्मेदारी ही सबसे बड़ी ताकत बनती है। अपील की कि वे सतर्क रहें, परंतु विचलित न हों। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं और विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, कूटनीतिक रस्तर पर भारत शांति, संतुलन और स्थिरता की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, जो उसकी वैश्विक जिम्मेदारी और बढ़ते प्रभाव का सशक्त प्रमाण है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को केवल एक नीति नहीं,

बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में स्थापित किया है। रणनीतिक भंडारण, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण और नवीकरणीय विकल्पों पर निरंतर जोर ने देश को एक मजबूत और स्थायी आधार प्रदान किया है। आज जब विश्व अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, तब भारत की स्थिरता, आत्मविश्वास और मजबूती उसकी दूरदर्शी नीतियों की सफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि सुनियोजित रणनीति और दृढ़ संकल्प किसी भी बड़े संकट का सामना करने में सबसे प्रभावी हथियार होते हैं। भविष्य की चुनौतियों को भांपते हुए भारत जिस तीव्र गति से नई ऊर्जा तकनीकों और संसाधनों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसकी दूरदर्शिता और संकल्प का प्रमाण है। ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत परमाणु ऊर्जा और उच्च इथेनॉल मिश्रण जैसी महत्वाकांक्षी पहलें देश को न केवल आत्मनिर्भर बना रही हैं, बल्कि उसे ऊर्जा स्वतंत्रता की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर कर रही हैं। प्रधानमंत्री का यह आह्वान कि कोविड काल जैसी एकजुटता आज भी उतनी ही आवश्यक है, केवल वर्तमान संकट तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य की हर चुनौती के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन है। यह सत्य और भी सशक्त होकर सामने आता है कि जब पूरा राष्ट्र एकजुट होकर आगे बढ़ता है और नेतृत्व दृढ़ एवं दूरदर्शी होता है, तब कोई भी संकट भारत की प्रगति की गति को थाम नहीं सकता।

महत्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor: Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. R.Nr. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैचारिक, वार्ता, टैडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के बदों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अभिवादन



पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को जलपाईगुड़ी जिले में एक जनसभा के दौरान समर्थकों का अभिवादन किया।

आरएसएस प्रमुख ने घुसपैटियों पर चिंता जताई, अमेरिका व चीन की 'आक्रामकता' की निंदा की

नयरा/भाषा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघवाक्य मोहन भागवत ने भारत में घुसपैट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से संविधि अवैध प्रचारियों की जानकारी अधिकारियों को देने और यह सुनिश्चित करने का मंगलवार को आग्रह किया कि उन्हें देश में रोजगार न मिले। वृंदावन के रुक्मिणी विहार स्थित नव-निर्मित 'जीवनदीप आश्रम' का लोकार्पण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने अमेरिका और चीन जैसे देशों की आक्रामक प्रवृत्ति की निंदा की और भारत को अन्य दुष्टियों के प्रति अधिक उदार बताया। उन्होंने कहा कि विदेशियों की पहचान के लिए कड़ी जांच होनी चाहिए और लोगों से अपील की कि वे सुनिश्चित करें कि अवैध प्रचारियों को देश में रोजगार न मिले। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारतीय नागरिकों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यदि ऐसे उपाय लागू किए जाएं तो पांच से दस वर्षों में स्थिति में सुधार संभव है और घटती जन्म दर स्थिर हो सकती है। संघ प्रमुख

ने तीन संतान नीति पर जोर देते हुए कहा कि उच्च जन्म दर आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर परिवार के स्वास्थ्य के लिए तीन बच्चों की सलाह देते हैं, क्योंकि बचपन में होने वाले मेलजोल से बच्चों में सामाजिक कौशल और समूह में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने जनसंख्या संबंधी अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि तीन से कम प्रजनन दर दीर्घकालिक जोखिम पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा, कम जन्म दर वाले कई देशों ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर तीन से ऊपर ले जाने के प्रयास किए हैं। परिवारों को दो बच्चों तक सीमित रहने के बजाय तीन बच्चों का लक्ष्य रखना चाहिए, हालांकि कोई भी नीति बनाते समय जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। भागवत ने जबरन धर्मांतरण को रोकने का आह्वान करते हुए कहा, सरकार कानून बना सकती है, लेकिन समाज को भी इसे रोकने की जिम्मेदारी निभानी होगी।

उन्होंने दावा किया, अनेक धर्मांतरित लोग मूल रूप से हिंदू रहे हैं और यदि वे वापस आना चाहते हैं तो उनका स्वागत किया जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने अमेरिका और

चीन जैसे देशों की आक्रामक प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए कहा कि भारत का दृष्टिकोण दूसरों पर कुछ थोपने का नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका भले ही यह कहे कि हमारा आर्थिक मॉडल सबसे अच्छा है और सबको इसका अनुसरण करना चाहिए, वहीं चीन यह कह सकता है कि हमने एक ऐसा मॉडल स्थापित किया है जो सबके लिए सबसे उपयुक्त है। आश्रम व्यवस्था पर बल देते हुए भागवत ने कहा, आश्रम, भारतीय संस्कृति की विशिष्ट अवधारणा है और यह मूल रूप से जीवन शिक्षा का केंद्र है। यहां अनुशासन के साथ शिक्षा प्राप्त करने वाले लोग लंबे समय तक समाज की प्रभावी सेवा कर सकते हैं और अपने चरित्र का विकास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिनलैंड की प्रशंसित शिक्षा प्रणाली भी कहीं न कहीं गुरुकुल-आश्रम परंपरा से मेल खाती है। उन्होंने कहा, यहां वास्तविक ज्ञान प्राप्त होता है, न कि केवल पेट भरने की क्षमता। भागवत ने कहा कि भारत के प्राचीन सांस्कृतिक मूल्य और सनातन परंपरा आज की अशांत दुनिया में भी प्रासंगिक हैं और आश्रम इन मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित देश ; भारत छठे नंबर पर : रिपोर्ट

नयी दिल्ली/भाषा

पाकिस्तान महीने वायु प्रदूषण कर्णों की दृष्टि से दुनिया का सबसे प्रदूषित देश है जबकि भारत छठे नंबर पर है। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट, 2025 से यह जानकारी सामने आयी है। स्विटजरलैंड की वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यूएयर' द्वारा प्रकाशित आठवीं रिपोर्ट में 143 देशों, क्षेत्रों और प्रदेशों के 9,446 शहरों में स्थित निगरानी स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सबसे प्रदूषित देश है। उसके बाद बांग्लादेश, ताजिकिस्तान, चाड और कांगो का स्थान आता है। भारत छठे नंबर पर है। भारत में प्रदूषित शहरों की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश का लोनी विश्व में सबसे अधिक प्रदूषित शहर बताया गया है। इसी क्रम में दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे अधिक प्रदूषित शहर है।

इतना ही नहीं विश्व के दस सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से पांच भारत में हैं जिनमें लोनी, बिर्नीहाट, दिल्ली, गाजियाबाद और उला शामिल हैं। इस वर्ष की रिपोर्ट की तुलना पिछले वर्ष से करने पर, 54 देशों में पीएम2.5 के वार्षिक औसत में वृद्धि देखी गई, 75 देशों में गिरावट आई, दो देशों में कोई बदलाव नहीं हुआ और 12 देश इस वर्ष के आंकड़ों में नए सिरे से शामिल किए गए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, वैश्विक शहरों में से केवल 14 प्रतिशत शहर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के वार्षिक पीएम2.5 दिशानिर्देश पांच माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर वायुक्षेत्र को पूरा कर पाए, जो पिछले वर्ष के 17 प्रतिशत से कम है। केवल तेरह देश/क्षेत्र ही डब्ल्यूएओ के वार्षिक औसत पीएम2.5 दिशानिर्देश पर खरा उतरे हैं। वे फ्रेंच पोलिनेशिया, प्यूर्तो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, बारबाडोस, न्यू कैलेडोनिया, आइसलैंड, बरमुडा, सीयूनिन, अंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ग्रैनाडा, पनामा और एस्तोनिया हैं। रिपोर्ट में साथ ही कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तीव्र हुई जंगल की आग ने 2025 में वैश्विक वायु गुणवत्ता में गिरावट लाने में प्रमुख भूमिका निभाई। यूरोप और कनाडा से रिपोर्ट बायोमास उत्सर्जन ने लगभग 1,380 मेगाटन कार्बन ने योगदान दिया।

रिपोर्ट के आठ साल के इतिहास में दूसरी बार कनाडा उत्तरी अमेरिका का सबसे प्रदूषित देश था क्योंकि उसकी दूसरी सबसे खराब जंगल की आग ने कनाडा, अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में हवा की गुणवत्ता पर असर डाला। यूरोप में, 23 देशों में वार्षिक औसत पीएम2.5 सांद्रता में वृद्धि दर्ज की गई, 18 देशों में गिरावट दर्ज की गई और एक देश को इसमें नया जोड़ा गया।



सान्या मल्होत्रा ने शुरू की 'सुंदर पूनम' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियों भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ

कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं। वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- 'सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।'

इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्टारट का हिस्सा है। हाल ही में फिल्म मेकर्स ने 'सुंदर पूनम' का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आईं। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या

मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। फिल्म की कहानी के बारे में बात करते तो 'सुंदर पूनम' में लव स्टोरी के साथ-साथ सर्रसंसे और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक वरिष्ठ हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है, जिसमें शादी के तुरंत बाद एक कारोबारी की हत्या कर दी गई थी। इस फिल्म में एक नया शादीशुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। इस दौरान उनके अचानक लापता होने की खबर सामने आती है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा हैरान करने वाला सच भी सामने आता है। फिल्म की कहानी दर्शकों को चौंका देगी।

दुनिया के हालात पर बोले अक्षय कुमार, सोने से पहले देश और परिवार के लिए करें प्रार्थना

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में पूरी दुनिया कई तरह की चुनौतियों से गुजर रही है। कहीं युद्ध का माहौल है तो कहीं तनाव और असुरक्षा का डर है। ऐसे माहौल में आम लोगों से लेकर बड़े सितारों भी अपनी चिंता और भावना जाहिर करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने क्रिज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के दौरान दुनिया के मौजूदा हालात पर खुलकर बात की और लोगों से कहा कि वे सोने से पहले देश और परिवार के लिए प्रार्थना जरूर करें। वरअसल, शो में मेहमान के तौर पर

शेता जुमानी भी मौजूद थीं। बातचीत के दौरान दुनिया में चल रहे तनाव और युद्धों का जिक्र हुआ। इसी पर अक्षय कुमार ने अपनी राय रखते हुए कहा कि इस समय दुनिया में काफी परेशानियां हैं और कई जगहों पर युद्ध चल रहे हैं। ऐसे हालात का असर हर इंसान पर पड़ता है, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न रहता हो। इस दौरान अक्षय कुमार ने लोगों से एक खास अपील भी की। उन्होंने कहा, 'जब भी आप रात को सोने जाएं, उससे पहले अपने परिवार और देश के लिए एक छोटी सी प्रार्थना करें, ताकि हम सब सुरक्षित रहें।' उन्होंने कहा कि यह छोटा सा

कदम हमें अंदर से मजबूत बनाता है और सकारात्मक ऊर्जा देता है। ऐसे समय में एक-दूसरे के लिए दुआ करना बहुत जरूरी है, ताकि शांति बनी रहे। इस बातचीत के दौरान शेता जुमानी ने भी अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, मेरा विश्वास है कि भारत पर एक मजबूत आध्यात्मिक शक्ति का आशीर्वाद है, जो देश की रक्षा करती है। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ परेश रावत, राजपाल यादव, तब्बू और वामिका गम्बी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

छठ



यमुना छठ के अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने यमुना नदी के पास कलश यात्रा निकाली। यमुना छठ पृथ्वी पर देवी यमुना के अवतरण की याद में मनाया जाता है।

शिल्पा शेट्टी ने बताया रिवर्स हाइपर एक्सरसाइज का सही तरीका

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल और नियमित योगाभ्यास से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लोगों को योगा करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक फिटनेस वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री रिवर्स हाइपर एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने न सिर्फ इस एक्सरसाइज को रिवर्स हाइपर करने का सही तरीका बताया, बल्कि इसके कई फायदों पर भी रोशनी डाली। अभिनेत्री ने इसे अंडरस्टैंड यानी कम चर्चित लेकिन बहुत प्रभावी व्यायाम बताया, जो खारकर निंब (रग्लू) को मजबूत बनाने के लिए आरामदायक है। शिल्पा ने लिखा, 'रिजर्स हाइपर के कई फायदे हैं। सबसे पहले, यह व्यायाम हिप एक्सटेंशन के जरिए ग्लूटस मैक्सिमस मांसपेशी को बहुत अच्छे से टारगेट करता है, जिससे निंब मजबूत और आकर्षक बनते हैं। दूसरा, यह कर्नर के निचले हिस्से (लोअर बैक) के लिए काफी सुरक्षित माना जाता है। यह पोस्टीरियर चेन यानी पीठ, ग्लूटस और हैमस्ट्रिंग्स को मजबूत बनाता है और रीढ़ की हड्डी पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता।



यानी ग्लूटस, हैमस्ट्रिंग्स और लोअर बैक को एक साथ एक्टिवेट करता है। आखिर में नियंत्रित तरीके से करने पर लोअर बैक की जकड़न कम होती है, जिससे खून का बहाव बेहतर होता है और रीढ़ को अच्छा सपोर्ट मिलता है। अभिनेत्री ने इसे घर पर या जिम में आसानी से करने का भी आसान तरीका बताया। उन्होंने लिखा, 'ग्लूटस की ताकत से ऊपर उठाएं। ऊपर पहुंचकर 1-2 सेकंड रुकें और फिर धीरे-धीरे नीचे लाएं। उन्होंने सेट्स और रेपस की डिटेल्स देते हुए लिखा, 3 सेट में 15 से 18 रेपस करें। कंट्रोल के साथ ऊपर उठाएं। अब ऊपर 1-2 सेकंड होल्ड करें और धीरे-धीरे नीचे आएं।'

आलिया भट्ट, नागार्जुन समेत कई सितारों ने 'धुरंधर: द रिवेज' की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। आलिया भट्ट, नागार्जुन और ऋषभ शेट्टी सहित फिल्म उद्योग की विभिन्न हस्तियों ने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर: द रिवेज' और इसमें हमजा अली मजारी/जसकीरत सिंह रंगी के रूप में रणवीर सिंह के अभिनय की जमकर प्रशंसा की है।

भावन को गहराई से जगा दिया। 'एक्स' पर एक पोस्ट में फिल्म को अतुलनीय करार दिया। उन्होंने कहा, यह ऐसी फिल्मों में से एक है जो फिल्म निर्माण को प्रेरित एवं परिवर्तित करती है।

फिल्म ने रिलीज के पहले चार दिनों में 761 करोड़ रूपए से अधिक की कमाई की है। वहीं, आलिया भट्ट ने भी बीती रात एक पोस्ट में लिखा, जसकीरत सिंह रंगी और यह पल... सबकुछ है। निर्देशक और अभिनेता का जादू पूरी तरह से तालमेल में है! ऐतिहासिक सफलता के लिए टीम धुरंधर को बधाई! अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने रविवार को इंस्टाग्राम पर

एक नोट साझा कर रणवीर सिंह, आदित्य धर, सारा अर्जुन और आर माधवन के अभिनय की तारीफ की। उन्होंने लिखा, रणवीर में अब भी आपके काम के प्रभाव से बाहर नहीं निकल पाई हूँ। आर माधवन सर, आपकी वो शांत शक्ति और अधिकार...आपने देशभक्ति की भावना को गहराई से जगा दिया।

अभिनेता-निर्माता ऋषभ शेट्टी ने लिखा, फिल्म 'धुरंधर: द रिवेज' आपको पहले ही दृश्य से जकड़ लेती है और अंत तक नहीं छोड़ती। शानदार कहानी, भाई, मुझे इसकी बारीकियां बेहद पसंद आईं। हर एक कलाकार का बेहतरीन प्रदर्शन है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने रणवीर को 'बब्बर शे'र' बताते हुए उनके समर्पण की तारीफ की और निर्देशक आदित्य धर के काम को अभूतपूर्व करार दिया। ज्योति देशपांडे और लोकेश धर द्वारा निर्मित यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज हुई है।



भजन

चैत्र नवरात्रि के दौरान रामनवमी की पूर्व संध्या पर शिमला में सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित एक जुलूस में महिलाओं ने नृत्य किया और भजन-कीर्तन किया।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते: दिव्या दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगाने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने आईएनएस को दिए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, 'हर इंसान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, 'मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई टैलेंट ब्लाग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।' उन्होंने कहा, 'मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमट रहे हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काविलियट है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।'





चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा बलों में तालमेल बहुत जरूरी : एयर मार्शल दीक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएसडी) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 22 से

24 मार्च तक डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी), वेलिंगटन का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने 81 वें स्टाफ कोर्स में भाग ले रहे भारतीय रक्षा बलों और मित्र देशों के छात्र अधिकारियों को संबोधित किया। सीआईएसडी ने युद्ध के बदलते

स्वरूप और भारत के समक्ष रणनीतिक चुनौतियों पर बात की। उन्होंने विभिन्न सेवाओं के बीच एकजुटता और तालमेल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने डीएसएससी की सराहना की और ऑपरेशनल तैयारियों तथा निर्णय क्षमता को

बढ़ाने में पेशेवर सैन्य शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने उभरती चुनौतियों की पृष्ठभूमि में भारतीय सेना में किए गए परिवर्तनकारी सुधारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों के लिए युद्ध के बदलते स्वरूप के अनुरूप

दलने की आवश्यकता पर जोर दिया। सीआईएसडी को कमांडेंट द्वारा कॉलेज में चल रही प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। संयुक्त कार्यप्रणाली तथा विभिन्न सेवाओं के बीच जागरूकता पर दिए गए जोर की सराहना की गई।



रजत द्वारा वृद्धाश्रम में अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु की अल्पक्या समिति द्वारा अक्षया ट्रस्ट वृद्धाश्रम में करीब

27वीं बार नास्ता, दोपहर का भोजन व शाम का खाना परोसा गया।

राजस्थान रत्न सुभाषचंद्र रांका परिवार के सहयोग से यह अन्नदान किया गया।

अध्यक्ष नरेंद्र सा श्रीश्रीमाल के

नेतृत्व में अन्नदान सम्वर्ण हुआ। वितरण कार्य में अनुकम्पा चैयरेमन एफ. अजीत कुमार चोरडिया, सह चैयरेमन ज्ञानचंद्र कोठारी, सुमेर बैद, हनुमान सकलेचा, गणपत कोठारी आदि ने सेवाएं प्रदान की।



महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा नेत्र व विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा 3000वां नेत्र व विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर 22 मार्च को पुलियानतोप स्थित जैन भवन, में प्यारेलाल विनोदकुमार संजयकुमार सुनीलकुमार पितलिया, मारुति बिल्डर्स के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कैंफ का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्यारेलाल पितलिया ने फीता काट कर किया। सर्वप्रथम अजीत नागोरी व राजेन्द्र

बेताला द्वारा प्रार्थना गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। चैयरेमन विजयराज कटारिया ने सभी का स्वागत किया। अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद्र कोठारी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया, संस्था द्वारा अतिथि का सम्मान किया गया।

राजस्थान रत्न प्यारेलाल जी पितलिया ने चेन्नई मेट्रो द्वारा लगातार पिछले 20 वर्षों से नेत्र चिकित्सा शिविर लगाकर इस 3000 वें शिविर के मुकाम पर पहुंचने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। शिविर में सेवा देने वाले

अग्रवाल आइ हास्पिटल, नेशनल हास्पिटल, जैन मेडिकल रीलिफ सोसायटी के चिकित्सकों का सम्मान किया गया। नेत्र शिविर के सहयोगियों का भी सम्मान किया गया।

अग्रवाल आइ हास्पिटल की टीम ने 252 लोगों की नेत्र जांच की जिसमें 19 जनों का मोतियाबिंद ऑपरेशन निशुल्क कराया जाएगा। और 50 जस्वरतमंदों को चश्मे बना कर दिए जाएंगे। नेशनल हास्पिटल की टीम ने 175 की स्वास्थ्य, बीपी सुगर व अन्य जांच की। जैन मेडिकल पेरेंचूर की टीम ने 90 जनों के दांतों की जांच की।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित को एसआरएम स्कूल ऑफ लॉ में प्रोफेसर एमेरिटस नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नडकुलथुर। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित को एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के विधि संकाय में प्रोफेसर एमेरिटस नियुक्त किया गया है। संवैधानिक न्यायशास्त्र में उनके योगदान और बार से सीधे सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत होने वाले कुछ विशिष्ट न्यायविदों में से एक होने के लिए व्यापक रूप से सम्मानित न्यायमूर्ति ललित ने व्यक्तिगत अधिकारों, लैंगिक न्याय और संस्थागत जवाबदेही पर ऐतिहासिक निर्णयों के माध्यम से आधुनिक भारतीय कानूनी विमर्श को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गौरतलब है कि वे शायर बानो बनाना भारत संघ मामले में संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने तत्काल



तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किया था, और जोसेफ शाइन बनाम भारत संघ मामले में दिए गए फैसले में भी वे शामिल थे, जिसने व्यक्तिगत अपराध को निरस्त करते हुए गरिमा, समानता और व्यक्तिगत स्वायत्तता के मूल्यों की पुष्टि की थी।

एसआरएमआईएसटी परिसर के अपने दौरे के दौरान, न्यायमूर्ति ललित ने संसदीय विशेषाधिकार विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें

उन्होंने इसके संवैधानिक आधार और समकालीन प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित किया। न्यायमूर्ति ललित ने कहा, संसदीय विशेषाधिकार व्यक्तिगत लाभ नहीं हैं, बल्कि विधायी निकायों की गरिमा, स्वतंत्रता और प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किए गए संस्थागत सुरक्षा उपाय हैं। न्यायमूर्ति ललित ने विधिक तर्क के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों से आग्रह किया कि वे निर्णयों को

संपूर्ण रूप से पढ़ें और उन संदर्भों को समझें जिनमें कानूनी सिद्धांत विकसित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी मामलों को खंडित रूप से पढ़ने से अक्सर अपूर्ण या गलत व्याख्याएं होती हैं। एसआरएम स्कूल ऑफ लॉ, एसआरएमआईएसटी-केटीआर की डीन प्रोफेसर पी सुधा ने न्यायमूर्ति की नियुक्ति पर बोलते हुए कहा कि एसआरएम में, हमारा मानना है कि कानून को सबसे अच्छी तरह से

उन्होंने लोगों से सीखा जा सकता है जिन्होंने इसे आकार दिया है। माननीय न्यायमूर्ति यू ललित को हमारे प्रोफेसर एमेरिटस के रूप में स्वागत करना हमारे लिए अत्यंत सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति पाठ्यपुस्तक के सिद्धांतों को जीवंत प्रेरणा में बदल देती है, और हमारे छात्रों को विचारशील, सिद्धांतवादी नेता बनने के लिए मार्गदर्शन करती है जिनकी हमारे कानूनी तंत्र को आवश्यकता है। संवैधानिक छात्रों की जिज्ञासाओं का उत्तर देते हुए न्यायमूर्ति ललित ने विचारों की स्पष्टता, कानूनी तर्क में निरंतरता और पेशेवर नैतिकता के पालन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को अनुशासित पठन की आदतें विकसित करने और विश्लेषणात्मक गंभीरता और विश्वेश्वरी की भावना के साथ कानून के अध्ययन के प्रति जागरूक होने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

सुख पाने नहीं, सुख देने का भाव रखें : आचार्य कुलबोधिसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलफॉक स्थित एससी शाह भवन में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने मंगलवार को अपने जीवनोपयोगी प्रवचन में मानव मनोस्थिति का गहन विश्लेषण करते हुए कहा कि मनुष्य स्वभाव से ही सुख की ओर ढौंटा है और दुःख से दूर भागता है। परन्तु जैसे-जैसे हम सुख पाने का प्रयास करते हैं, दुःख और अधिक हमारे निकट आता जाता है। उन्होंने कहा कि हम यह मानकर चलते हैं कि जीवन में सब कुछ अच्छा चल रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि हमने कभी दूसरों को सुख, शांति और प्रसन्नता देने का प्रयास ही नहीं किया। हमारा दृष्टिकोण 'सदैव मुझे सुख चाहिए' का रहा है। यदि इस सोच में



परिवर्तन कर 'मुझे दूसरों को सुख देना' का भाव अपनाया जाए, तो जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन संभव है। आचार्यश्री ने छोटे-से सूत्र कर भला, तो हो भला में छुपे गहरे अर्थ को समझाते हुए कहा कि दूसरों के सुख में ही अपना सुख ढूंढना ही सच्चा जीवन है। उन्होंने बताया कि जीवन में पात्र भले ही अलग-अलग हों, परन्तु जीवन की कहानी एक ही रहती है। जब हम दूसरों को सुख देंगे, तभी हमें वास्तविक सुख की प्राप्ति होगी।

उन्होंने वास्तविक सुख न मिलने के तीन प्रमुख कारण बताए पहला, हमें जीवन में सही ढंग से

रहना नहीं आया। उन्होंने समझाया कि जो व्यक्ति सरल और सीधा रहता है, उसे संसार कभी परेशान नहीं कर सकता। जीवन में शांति से रहना है तो मालिक की तरह नहीं, बल्कि मेहमान की तरह रहें, जो मिले उसके लिए धन्यवाद करें और जो न मिले उसकी शिकायत न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायत तीन प्रकार की होती है मन, वचन और काया से। मन और वचन की शिकायत फिर भी हो सकती है, लेकिन काया से शिकायत नहीं करनी चाहिए। फरियाद कम करना ही धर्म की पहली निशानी है। धर्म व्यक्ति शिकायत नहीं करता। एक दृष्टांत के माध्यम से उन्होंने समझाया कि यदि जीवन में सदैव मीठा मिला हो, तो एक बार कड़वा मिलने पर शिकायत नहीं करनी चाहिए। प्रवचन के समापन पर विश्व शांति के लिए 3-3 नवकर मंत्र का सामूहिक जाप किया गया।

निर्माणाधीन सालासर मंदिर में 2 अप्रैल को 'आंजनेय महोत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में बीटीएम लेआउट रांका कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर पर 2 अप्रैल को 'आंजनेय महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 9 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होगा, विद्वान पंडितों द्वारा 9 कुंडुजी हवन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 2:30 बजे से पंडित मुरारी दाधीच द्वारा सुंदरकांड पाठ का सामूहिक संगीतमय वाचन होगा। सायं 5.30 बजे से मंदिर प्रांगण में विशाल



भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें भजन गायक जयपुर के राजीव विजयवर्गीय द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस महोत्सव के लिए मंदिर कमेटी द्वारा जोरों से तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों ने सभी भक्तों से आह्वान किया है कि महोत्सव में भाग लेकर बालाजी महाराज के दिव्य दर्शन का लाभ अवश्य लें।

फिल्म प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु साउथ लेडीज विंग ने 'सक्षम, स्केल डेवलपमेंट वर्किक' के अंतर्गत 'दि केरल स्टोरी-2' की विशेष स्क्रीनिंग कराई गई। इस मौके पर लेडीज विंग की सदस्याओं के साथ उनकी बेटियों, बेटे और बहुरंग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। चैयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह फिल्म केवल एक कहानी नहीं, बल्कि समाज के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है जिन पर विचार करना आवश्यक है। इस मौके पर सुनीता गांधी, संयोजिका अस्मिता चौहान, संगीता सियाल, सहमंत्री साक्षी नाहर, निशा कोठारी, अर्पिता लक्ष्मी, नीतू गुलेच्छा, रेखा विनोद, वनीता बच्छावत और कविता मुथा आदि उपस्थित थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



आमंत्रण

स्थानीय जैन युवा संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को अलसूर जैन श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांदिया से मुलाकात कर 31 मार्च को भगवान महावीर जन्म कल्याणक के संवर्धन में आमंत्रण दिया। इस मौके पर बांदिया ने संगठन द्वारा वितरित किए जाने वाले स्मृति चिन्ह संकल्प कार्ड की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे परिवार का प्रत्येक सदस्य आकर्षित होगा और प्रतिदिन कुछ न कुछ संकल्प ग्रहण कर दती बनेगा। इस मौके पर संगठन के महावीर श्रीश्रीमाल, भरत रूनवाल और गौतम बांदिया उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



बेंगलूरु के एमईएस कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय मल्लेश्वरम के वाणिज्य विभाग द्वारा मंगलवार को 'परिवर्तन-2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत, निदेशक डॉक्टर गिरधर रेड्डी, प्राचार्य डॉ आदर्श, उप प्राचार्य डॉ अनीता श्रीकुमार, वाणिज्य विभाग की प्रमुख इन्डु वार्ड आदि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।